



निवेश व ट्रेडिंग योग रिपोर्ट

शेयर, F&O, क्रिप्टो, सोना-चाँदी व संपत्ति — आपकी कुंडली में क्या मेल खाता है, क्यों, कैसे और कब

श्री अभय शर्मा (काल्पनिक) जी हेतु व्यक्तिगत रिपोर्ट

नाम	अभय शर्मा (काल्पनिक)
जन्म तिथि व समय	12 जुलाई 1992 • 09:45
जन्म स्थान	जयपुर
लग्न • राशि • नक्षत्र	सिंह • वृश्चिक • ज्येष्ठा
वर्तमान दशा	सूर्य महादशा (2023–2029)
रिपोर्ट तिथि	13 अक्टूबर 2026 • रात्रि 9:02

॥ पारस वाणी ॥

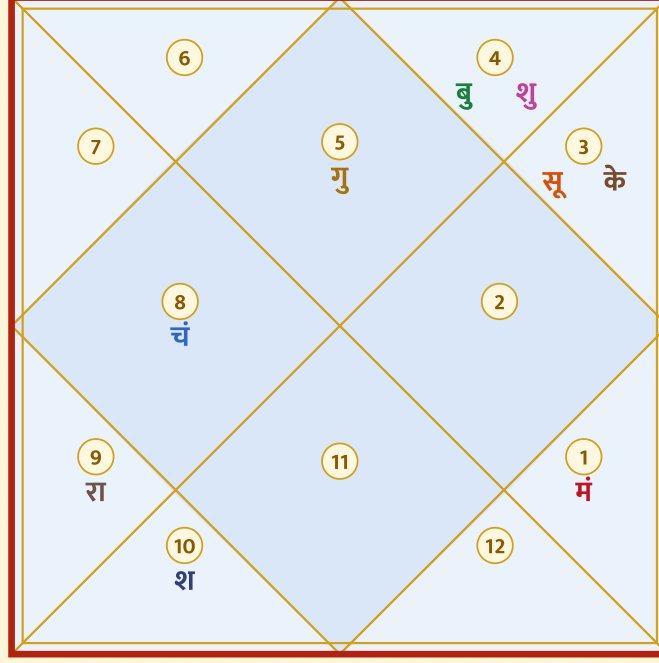
parasvani • वैदिक ज्ञान, आधुनिक तकनीक

यह रिपोर्ट खगोलीय Swiss Ephemeris (लाहिरी अयनांश) गणना पर आधारित है



जन्म कुंडली — ग्रह स्थिति एवं प्रभाव

कुंडली परिचय



जन्म-कुंडली (उत्तर भारतीय पद्धति) • लाहिरी अयनांश

ग्रह	राशि	भाव	क्षेत्र-प्रभाव
सूर्य	मिथुन	11	आत्मबल व प्रतिष्ठा — लाभ व आय
चंद्र	वृश्चिक	4	मन व भावनाएँ — सुख व माता
मंगल	मेष	9	ऊर्जा व साहस — भाग्य व धर्म
बुध	कर्क	12	बुद्धि व व्यापार — व्यय व अध्यात्म
गुरु	सिंह	1	ज्ञान व भाग्य — व्यक्तित्व व स्वास्थ्य
शुक्र	कर्क	12	सुख व कला — व्यय व अध्यात्म
शनि (वक्री)	मकर	6	कर्म व अनुशासन — सेवा व प्रतिस्पर्धा
राहु (वक्री)	धनु	5	महत्वाकांक्षा व नवाचार — बुद्धि व संतान
केतु (वक्री)	मिथुन	11	अध्यात्म व मोक्ष — लाभ व आय

विंशोत्तरी दशा — अंतर्दशा तालिकाएँ

अ भी च ल र ही व अ ग ली म हा द शा • वर्तमान ◀ चिह्न से

सूर्य महादशा ◀

19/04/2023 – 19/04/2029

अंतर्दशा	से	तक
सूर्य	19/04/2023	07/08/2023
चंद्र	07/08/2023	06/02/2024
मंगल	06/02/2024	12/06/2024
राहु	12/06/2024	07/05/2025
गुरु	07/05/2025	23/02/2026
शनि ◀	23/02/2026	05/02/2027
बुध	05/02/2027	13/12/2027
केतु	13/12/2027	19/04/2028
शुक्र	19/04/2028	19/04/2029

चंद्र महादशा

19/04/2029 – 19/04/2039

अंतर्दशा	से	तक
चंद्र	19/04/2029	17/02/2030
मंगल	17/02/2030	18/09/2030
राहु	18/09/2030	19/03/2032
गुरु	19/03/2032	19/07/2033
शनि	19/07/2033	17/02/2035
बुध	17/02/2035	19/07/2036
केतु	19/07/2036	17/02/2037
शुक्र	17/02/2037	19/10/2038
सूर्य	19/10/2038	19/04/2039

योगिनी दशा — अंतर-योगिनी तालिकाएँ

अ भी च ल र ही व अ ग ली यो गि नी • वर्तमान ◀ चिह्न से

भद्रिका योगिनी ◀

स्वामी बुध • 5 वर्ष • 20/08/2024 – 20/08/2029

अंतर-योगिनी	से	तक
भद्रिका	20/08/2024	01/05/2025
उल्का	01/05/2025	01/03/2026
सिद्धा ◀	01/03/2026	19/02/2027
संकटा	19/02/2027	31/03/2028
मंगला	31/03/2028	21/05/2028
पिंगला	21/05/2028	30/08/2028
धान्या	30/08/2028	30/01/2029
भ्रामरी	30/01/2029	20/08/2029

उल्का योगिनी

स्वामी शनि • 6 वर्ष • 20/08/2029 – 21/08/2035

अंतर-योगिनी	से	तक
उल्का	20/08/2029	21/08/2030
सिद्धा	21/08/2030	21/10/2031
संकटा	21/10/2031	19/02/2033
मंगला	19/02/2033	21/04/2033
पिंगला	21/04/2033	20/08/2033
धान्या	20/08/2033	19/02/2034
भ्रामरी	19/02/2034	21/10/2034
भद्रिका	21/10/2034	21/08/2035



सार — एक पन्ने में: आपकी कुंडली धन के बारे में क्या कहती है

अध्याय 1

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली एक स्पष्ट बात कहती है — **धन आपके जीवन में आएगा, पर उसका रास्ता धैर्य और अनुशासन से होकर जाता है, दाँव से नहीं।**

छह रास्तों में से दो को पाँच में से पाँच तारे मिले हैं — **दीर्घकालिक शेयर-निवेश और संपत्ति।** सोना-चाँदी को चार तारे। ये तीनों रास्ते आपकी कुंडली के स्वभाव से सीधे मेल खाते हैं। वहीं स्विंग ट्रेडिंग, F&O और क्रिप्टो — तीनों को केवल दो तारे मिले हैं।

सबसे बड़ी ताक़त: भाग्येश मंगल अपनी ही राशि मेष में भाव 9 में बैठे हैं — यह लक्ष्मी योग है। गुरु लग्न में बैठे हैं और पंचम भाव को देख रहे हैं — बुद्धि और भाग्य दोनों की रखवाली एक ही ग्रह कर रहा है। नौ धन-योगों में से तीन पूरे बने हैं, चार आंशिक — यह कुंडली कमज़ोर नहीं है।

सबसे बड़ा ध्यान: लाभेश बुध भाव 12 में शत्रु राशि में बैठे हैं — अर्थात लाभ का रास्ता सीधा नहीं है, संचय में समय लगेगा। और गुरु एक साथ पंचमेश भी हैं और अष्टमेश भी — सट्टे का लाभ और अचानक की हानि, दोनों की चाबी एक ही ग्रह के पास है। इसलिए F&O या सट्टे में जो भी मिले, वह टिकता नहीं — निकल भी जाता है।

याद रखने की पाँच बातें:

- यह कुंडली "धीरे-धीरे बढ़कर बड़ा होने वाले धन" की है — जल्दी का दाँव इस कुंडली को सूट नहीं करता
- फ़रवरी 2027 के बाद सूर्य-बुध अंतर्दशा में निवेश के लिए अनुकूल खिड़की खुलती है
- अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक मंगल और शनि की स्थिति सँभलकर चलने की माँग करती है
- संपत्ति में निवेश की सबसे अच्छी खिड़की जून 2027 के बाद आएगी जब शनि मेष में आएँगे
- माणिक (जीवन-रत्न और अभी का रत्न — दोनों एक ही) इस समय सबसे उपयुक्त है



अपार धन के योग — आपकी कुंडली की जाँच

अध्याय 2

धन देने वाले नौ योग

पूरा 3 • आंशिक 4 • नहीं 2

#	योग	स्थिति	कुंडली में कारण
1	पंचमेश-एकादशेश संबंध	नहीं	पंचमेश गुरु भाव 1 में, एकादशेश बुध भाव 12 में — आपस में संबंध नहीं
2	धन योग (पराशर)	पूरा	धन-भावों (2, 5, 9, 11) के स्वामियों के जोड़े: 2-9, 5-9, 9-11
3	लक्ष्मी योग	पूरा	भाग्येश मंगल भाव 9 में (स्वराशि); लग्नेश सूर्य ठीक स्थिति में

4	चंद्र-मंगल योग	आंशिक	चंद्र-मंगल में दृष्टि-संबंध
5	राहु उपचय में	नहीं	राहु भाव 5 (धनु) में
6	अष्टम / विपरीत राजयोग	आंशिक	विपरीत राजयोग: हर्ष (षष्ठेश शनि भाव 6); अष्टमेश गुरु का लाभ से संबंध नहीं
7	इंदु लग्न (जैमिनी धन-लग्न)	पूरा	इंदु लग्न सिंह (भाव 1); शुभ ग्रह गुरु इंदु लग्न या उससे 11वें (भाव 11) में
8	गजकेसरी + बुधादित्य	आंशिक	गुरु चंद्र से केंद्र में — गजकेसरी बना; बुधादित्य नहीं
9	लाभ-भाव बली	आंशिक	11वें भाव में सूर्य; लाभेश बुध भाव 12 में (शत्रु राशि)

बड़े नुकसान की छह चेतावनियाँ

मौजूद 1 • हल्का 1 • समय पर 1 • नहीं 3

#	चेतावनी	स्थिति	कुंडली में कारण
क	5वें या 8वें भाव में चंद्र-राहु/केतु	नहीं	चंद्र राहु-केतु से मुक्त
ख	पंचमेश पर व्ययेश/षष्ठेश का प्रभाव	नहीं	पंचमेश गुरु पर व्ययेश/षष्ठेश का प्रभाव नहीं
ग	लाभेश 6, 8 या 12 में	मौजूद	लाभेश बुध भाव 12 में
घ	2रे/11वें पर मंगल-राहु-शनि की मार	हल्का	धन-भाव साफ़; लाभ-भाव (11) पर राहु — संचय धीमा, पर टूटता नहीं
च	कमजोर शनि + बली राहु	नहीं	शनि भाव 6 में (स्वराशि); राहु भाव 5 में
छ	6-8-12 के स्वामी की दशा में सट्टा	समय पर	अगले 10 वर्ष में ये अंतर्दशाएँ: सूर्य-शनि (फ़रवरी 2026 – फ़रवरी 2027), चंद्र-चंद्र (अप्रैल 2029 – फ़रवरी 2030), चंद्र-शनि (जुलाई 2033 – फ़रवरी 2035) — इन दौरों में सट्टा न्यूनतम

पूरे बने योग — यहाँ कुंडली की असली ताकत है

धन योग (पराशर) — पूरा बना। धन-भावों के स्वामियों के जोड़े — 2-9, 5-9, 9-11 — परस्पर संबंध में हैं। भाग्य (9), धन (2), सट्टा-बुद्धि (5) और लाभ (11) का यह गठजोड़ बताता है कि धन आएगा, और वह भाग्य व बुद्धि दोनों के रास्ते से।

लक्ष्मी योग — पूरा बना। भाग्येश मंगल अपनी स्वराशि मेष में भाव 9 में विराजमान हैं — यह शास्त्र में लक्ष्मी योग की सबसे बलवान स्थिति मानी जाती है। लग्नेश सूर्य भाव 11 में ठीक स्थिति में हैं। दोनों मिलकर कहते हैं कि जीवन में एक समय ऐसा आएगा जब भाग्य और परिश्रम एक साथ फल देंगे।

इंदु लग्न — पूरा बना। इंदु लग्न सिंह (भाव 1) पर गुरु स्वयं बैठे हैं — जैमिनी पद्धति में यह धन-संचय का बलवान संकेत है।

आंशिक योग — संभावना है, पर शर्त है

चंद्र-मंगल योग — आंशिक। चंद्र और मंगल में दृष्टि-संबंध है, सीधी युति नहीं। यह व्यापारिक बुद्धि और साहसिक निर्णय की क्षमता देता है, पर उसकी पूरी ताकत नहीं — भावनात्मक फ़ैसलों से बचना ज़रूरी है।

विपरीत राजयोग (हर्ष) — आंशिक। षष्ठेश शनि अपने ही भाव 6 में स्वराशि मकर में वक्री बैठे हैं — हर्ष विपरीत राजयोग बना है। इसका अर्थ है कि कठिनाई के बाद अप्रत्याशित उन्नति मिलती है, शत्रु और प्रतिस्पर्धा खुद ही कमजोर पड़ते हैं। पर यह योग "अचानक धन" नहीं, "टिकाऊ स्थिरता" देता है।

गजकेसरी — आंशिक। गुरु चंद्र से केंद्र में हैं — गजकेसरी बना, पर चंद्र नीच राशि वृश्चिक में हैं। इसलिए यश और बुद्धि का यह योग पूरी तरह खिलेगा जब मन स्थिर हो — भावना में लिए गए निवेश-निर्णय इसे कमजोर कर देते हैं।

लाभेश बली — आंशिक। भाव 11 में सूर्य बैठे हैं जो लाभ देते हैं, पर लाभेश बुध स्वयं भाव 12 में शत्रु राशि में हैं। अर्थात् कमाई होती है, पर संचय में रुकावट आती है।

नहीं बने योग — इन पर अति-निर्भरता नहीं

पंचमेश-एकादशेश संबंध — नहीं बना। पंचमेश गुरु भाव 1 में और एकादशेश बुध भाव 12 में — आपस में सीधा संबंध नहीं। इसका सीधा अर्थ है कि सट्टे की बुद्धि और लाभ का रास्ता एक साथ नहीं चलता — F&O या इंट्राडे में जो भी मिले वह स्थायी नहीं रहता।

राहु उपचय में — नहीं। राहु भाव 5 में हैं, उपचय (3, 6, 10, 11) में नहीं — इसलिए अचानक बड़े दाँव से लाभ की संभावना कुंडली में नहीं है।

चेतावनियाँ — इन्हें नज़रअंदाज़ मत कीजिए

लाभेश बुध भाव 12 में — मौजूद। यह सबसे महत्वपूर्ण चेतावनी है। लाभ का रास्ता व्यय के घर से होकर जाता है — यानी जो कमाएँगे उसमें से एक हिस्सा बाहर जाता रहेगा। किशतों में निवेश और लिखित बजट इसका सबसे व्यावहारिक उपाय है।

लाभ-भाव पर राहु का असर — हल्का। भाव 11 में केतु बैठे हैं और राहु की दृष्टि भाव 11 पर है — संचय धीमा होगा, पर टूटेगा नहीं।

6-8-12 स्वामियों की दशाएँ — समय पर ध्यान। सूर्य-शनि अंतर्दशा (अभी, फ़रवरी 2027 तक), चंद्र-शनि (जुलाई 2033 से फ़रवरी 2035) — इन दौरों में बड़ा सट्टा न्यूनतम रखिए।

विशेष और निष्कर्ष

गुरु एक साथ पंचमेश और अष्टमेश हैं — यह दोधारी तलवार है। बुध एक साथ धनेश और लाभेश — कमाई और संचय दोनों इसी ग्रह पर

निर्भर हैं, और बुध अभी भाव 12 में हैं।

यह कुंडली "धीरे-धीरे बढ़कर बड़ा होने वाले धन" की है — "दाँव से जल्दी धन" की नहीं। तीन पूरे धन-योग और बलवान भाग्येश यह भरोसा देते हैं कि धन आएगा — पर वह दीर्घकालिक निवेश, संपत्ति और अनुशासित बचत के रास्ते से आएगा, F&O या क्रिप्टो के रास्ते से नहीं।

मुख्य बातें

- तीन पूरे धन-योग (पराशर धन योग, लक्ष्मी योग, इंदु लग्न) — कुंडली में धन-संभावना वास्तविक है
- लाभेश बुध भाव 12 में — संचय में रुकावट; किशतों में निवेश और लिखित बजट ज़रूरी
- गुरु पंचमेश और अष्टमेश दोनों — सट्टे का लाभ और हानि एक ही ग्रह से; F&O में जो मिले वह टिकता नहीं
- पंचमेश-एकादशेश संबंध नहीं बना और राहु उपचय में नहीं — जल्दी के दाँव इस कुंडली का हथियार नहीं
- सूर्य-शनि और चंद्र-शनि अंतर्दशाओं में सट्टा न्यूनतम रखें — यह समय-सिद्ध चेतावनी है

॥ शास्त्र-प्रमाण ॥

लाभाधिपो यदा लाभे तिष्ठेत् केन्द्रत्रिकोणयोः ।

बहुलाभं तदा कुर्यादुच्चे सूर्याशगोऽपि वा ॥

ग्यारहवें भाव का स्वामी ग्यारहवें में, या केन्द्र-त्रिकोण में स्थित हो — तब वह बहुत लाभ देता है।

— बृहत् पाराशर होरा शास्त्र, अध्याय २२



आपका निवेश-स्वभाव — ताक़त और कमज़ोर कड़ी

अ ध्या य 3

अभय शर्मा जी, बाज़ार में हर इंसान अलग तरीक़े से सोचता है — कोई आँकड़ों से, कोई अंतर्मन से, कोई साहस से। आपकी कुंडली यह तस्वीर बहुत साफ़ दिखाती है।

विश्लेषण की शक्ति — बुध और गुरु

आपके लग्न में गुरु बैठे हैं — युवा अवस्था में, भरपूर षड्बल के साथ। इसका सीधा अर्थ यह है कि आप किसी भी निवेश-निर्णय को पहले दिमाग़ से तौलते हैं, फिर क़दम उठाते हैं। बड़ी तस्वीर देखने की यह क्षमता — "यह क्षेत्र अगले पाँच साल में कहाँ जाएगा" — आपकी सबसे बड़ी ताक़त है। बुध एक साथ आपके धन-भाव (दूसरे) और लाभ-भाव (ग्यारहवें) के स्वामी हैं, यानी कमाई और संचय दोनों की चाबी बुध के पास है। वाणी, लेखन और विश्लेषण — ये बुध के क्षेत्र हैं — निवेश की दुनिया में आपके काम आते हैं।

मंगल का साहस — और उसकी सीमा

मंगल नवम भाव में स्वराशि में बैठे हैं — भाग्य और साहस का यह योग बताता है कि जब आप किसी अवसर को सही मानते हैं, तो झिझकते नहीं। **यह साहस दीर्घकालिक निर्णयों में वरदान है।** लेकिन मंगल की अवस्था मृत है — यानी यह साहस कभी-कभी समय पर नहीं जागता, या जागता है तो ज़्यादा तेज़ी से।

कमज़ोर कड़ी — चंद्र और भावना

यही आपकी सबसे बड़ी चेतावनी है। चंद्रमा चतुर्थ भाव में नीच के हैं — यानी मन की अवस्था अस्थिर रहती है। बाज़ार में जब लाल रंग आता है, तब अंदर से एक डर उठता है; जब हरा चमकता है, तब लालच। यह भावना-आधारित प्रतिक्रिया — "अभी बेच दो" या "अभी सब लगा दो" — आपके विश्लेषण को पीछे धकेल सकती है। गोचर-दृष्टि में गुरु आज चंद्रमा को पाँचवीं दृष्टि से देख रहे हैं, जो कुछ राहत देता है — पर यह भावना की जड़ नहीं बदलती।

राहु की ललक — पाँचवें भाव में

राहु पंचम भाव (धनु) में हैं। पाँचवाँ भाव बुद्धि, सट्टे और जोखिम का भाव है। राहु यहाँ एक तरह की असाधारण प्रवृत्ति देते हैं — नई चीज़ें आजमाने की, बड़े दाँव लगाने की। यह ललक जब गुरु के विवेक से संतुलित हो, तब काम की है। पर जब चंद्र की अस्थिरता और राहु की ललक एक साथ उठें — तब नुकसान की नींव रखी जाती है।

आपका निवेश-नाम: विश्लेषक-साहसी। ताक़त — बड़ी सोच, धैर्य, आँकड़ों की समझ। कमज़ोर कड़ी — भावनात्मक क्षणों में लिए गए जल्दबाज़ी के फैसले।

मुख्य बातें

- गुरु (युवा, बली) लग्न में — विवेकपूर्ण, दीर्घकालिक सोच आपकी पहचान है
- बुध धन और लाभ दोनों भावों के स्वामी — विश्लेषण ही आपका सबसे बड़ा हथियार
- नीच चंद्र — भावना में बहकर फैसला लेना आपकी कमज़ोर कड़ी
- राहु पंचम में — बड़े दाँव की ललक है, पर संयम ज़रूरी
- हर बड़े फैसले से पहले एक रात सोने की आदत बनाइए — यही आपका सबसे बड़ा उपाय है



कौन-सा रास्ता, क्यों और कैसे — शेयर, F&O, क्रिप्टो, सोना-चाँदी, संपत्ति

अ ध्या य 4

छह रास्तों के तारे

★ जितने ज़्यादा, कुंडली उतनी अनुकूल

रास्ता	तारे (गणना से)
दीर्घकालिक शेयर-निवेश (नियमित, किशतों में)	★★★★★ 5/5
सोना-चाँदी व धातु	★★★★☆ 4/5
स्विंग / पोजीशनल ट्रेडिंग (कुछ दिन से कुछ हफ्ते)	★★☆☆☆ 2/5
संपत्ति (ज़मीन-मकान)	★★★★★ 5/5
F&O / इंट्राडे	★★☆☆☆ 2/5
क्रिप्टो	★★☆☆☆ 2/5

तारों की गणना ऊपर तालिका में आ चुकी है। यहाँ हर रास्ते पर यह देखते हैं कि कुंडली क्या कह रही है, व्यवहार में क्या करना है, और किस समय में।

दीर्घकालिक शेयर-निवेश — ★★★★★

यह आपका सबसे स्वाभाविक रास्ता है। लक्ष्मी योग पूरा बना है — भाग्येश मंगल अपनी ही राशि में नवम भाव में बैठे हैं, और लग्नेश सूर्य ग्यारहवें भाव में। इंदु लग्न (जैमिनी धन-लग्न) सिंह में है और गुरु वहाँ या उससे ग्यारहवें में — यह दीर्घकालिक धन-संचय का पक्का संकेत है। धन योग (पराशर) पूरी तरह बना है — 2-9, 5-9, 9-11 भावों के स्वामियों के जोड़े सक्रिय हैं।

व्यवहार में कैसे करें:

- हर महीने एक तय रकम, किशतों में — SIP की तरह, एकमुश्त नहीं
- खरीदने से पहले लिखित कारण — "क्यों खरीद रहा हूँ, कितने समय के लिए"
- तीन-पाँच साल से कम की सोच नहीं
- बुध के कारक क्षेत्र (संचार, तकनीक, बैंकिंग), सूर्य के क्षेत्र (ऊर्जा, सरकारी उपक्रम) और मंगल के क्षेत्र (भूमि, निर्माण, धातु) — ये आपकी कुंडली के बली ग्रहों के परंपरागत क्षेत्र हैं; इन पर ध्यान दे सकते हैं

अनुकूल समय: फ़रवरी 2027 से सूर्य-बुध अंतर्दशा आरंभ होगी — बुध धन और लाभ दोनों के स्वामी हैं — यह नियमित निवेश बढ़ाने का समय होगा। तब आप 35 वर्ष के होंगे — निर्माण का दशक।

सोना-चाँदी व धातु — ★★★★★☆

मंगल नवम भाव में स्वराशि में — भाग्य और धातु दोनों मंगल से जुड़ते हैं। शनि षष्ठ भाव में स्वराशि, वक्री — स्थिर और दीर्घकालिक संपत्ति का इशारा। सोना धीमी गति से बढ़ता है — यही आपकी कुंडली के धैर्य-ग्रह (शनि) से मेल खाता है।

व्यवहार में: सोना सुरक्षा के लिए रखें, व्यापार के लिए नहीं। बड़ी गिरावट पर थोड़ा-थोड़ा जोड़ें।

स्विंग / पोजीशनल ट्रेडिंग — ★★☆☆☆

दो तारे — यानी यह रास्ता आपकी कुंडली के लिए नहीं बना। चंद्र नीच के हैं — कुछ दिनों की ट्रेडिंग में मन की अस्थिरता बड़ी बाधा बनती है। लाभेश बुध बारहवें भाव में हैं — संचय धीमा, खर्च तेज। अगर इस रास्ते पर जाना ही हो, तो पूँजी का बहुत छोटा हिस्सा (कुल का 5-7%), और घाटे की सीमा पहले से लिखित।

संपत्ति (ज़मीन-मकान) — ★★★★★

यह आपका दूसरा सबसे मज़बूत रास्ता है। चतुर्थ भाव (घर-भूमि) के शोधित अष्टकवर्ग बिंदु 15 हैं — यह इस कुंडली का सबसे ऊँचा अंक है। भाव-बल भी मज़बूत। चतुर्थेश मंगल नवम भाव में स्वराशि में — भाग्य से जुड़ी संपत्ति का स्पष्ट योग। गोचर में गुरु 31 अक्टूबर 2026 के बाद सिंह (लग्न) में आएँगे — यह अवधि संपत्ति के बारे में सोचने के लिए अच्छी है।

व्यवहार में: उधार लेकर बड़ा दाँव नहीं — पर योजना बनाकर, किशतों में। नवम भाव का अष्टकवर्ग बल (13 बिंदु) भी बहुत अच्छा है — भाग्य का साथ इस क्षेत्र में रहेगा।

F&O / इंट्राडे — ★★☆☆☆

दो तारे — और यहाँ बात बिल्कुल साफ़ है। पंचमेश-एकादशेश का संबंध नहीं बना, राहु उपचय में नहीं, और नीच चंद्र इंट्राडे के लिए सबसे खतरनाक है — हर मिनट का उतार-चढ़ाव भावना को हिलाता है। **इस रास्ते पर न जाएँ — या यदि जाएँ तो पूँजी का 3% से अधिक कभी नहीं, और घाटे की सीमा लिखित।** सूर्य-शनि की अंतर्दशा (अभी, फ़रवरी 2027 तक) में शनि षष्ठ-सप्तम भाव के स्वामी हैं — इस दौर में F&O और इंट्राडे से पूरी दूरी रखें।

क्रिप्टो — ★★☆☆☆

दो तारे — राहु पंचम भाव में हैं, जो एक प्रवृत्ति देता है नई चीज़ें आजमाने की। पर राहु उपचय में नहीं हैं और चंद्र नीच के हैं — क्रिप्टो जैसे तेज़ उतार-चढ़ाव वाले बाज़ार में नीच चंद्र पैनिक-सेलिंग का कारण बनता है। यदि क्रिप्टो में रुचि हो, तो कुल पूँजी का 2-3% से अधिक नहीं, और वह रकम जिसके डूबने पर नींद न उड़े।

मुख्य बातें

- दीर्घकालिक शेयर और संपत्ति — आपके दो सबसे मज़बूत रास्ते, दोनों पाँच तारे
- सोना-चाँदी — सुरक्षा के लिए, व्यापार के लिए नहीं
- F&O, इंट्राडे और क्रिप्टो — दो तारे; नीच चंद्र और लाभेश की कमज़ोर स्थिति इन्हें जोखिम भरा बनाती है
- फ़रवरी 2027 (सूर्य-बुध अंतर्दशा) — नियमित निवेश बढ़ाने का समय
- हर रास्ते पर एक लिखित नियम — "कितना लगाऊँगा, कितने पर रुकूँगा"



पिछले 5 वर्ष — दशा-गोचर से मिलान

अ ध्या य 5

अभय शर्मा जी, यह खंड आपके अपने अनुभव से मिलाने के लिए है। देखिए कि कुंडली की गणना उन वर्षों के बारे में क्या कहती है जो आपने जिए हैं।

अप्रैल 2019 – फ़रवरी 2022 — शुक्र-बुध

शुक्र तीसरे और दसवें भाव के स्वामी हैं, पर बारहवें भाव में अस्त — कमज़ोर स्थिति। बुध धन और लाभ के स्वामी हैं, पर बारहवें भाव में शत्रु राशि में। इस पूरी अवधि में शुक्र और बुध — दोनों दशा-स्वामी — कमज़ोर स्थिति में थे। गोचर में गुरु 2021 के अंत में मकर (लग्न से छठे, चंद्र से तीसरे) और फिर कुंभ में — धन और कैरियर के लिए साधारण से थोड़ा कठिन।

इन वर्षों में शायद ऐसा रहा हो: मेहनत लग रही थी, पर कमाई उतनी नहीं आ रही थी जितनी उम्मीद थी। कोई निवेश या काम शुरू हुआ जो बाद में उतना नहीं चला, या पैसे की आमद में अटकन रही। अपने अनुभव से मिलाइए।

फ़रवरी 2022 – अप्रैल 2023 — शुक्र-केतु

केतु ग्यारहवें भाव (लाभ) में हैं — उपचय भाव में छाया ग्रह, कुछ अप्रत्याशित लाभ या अवसर की संभावना। पर शुक्र महादशा कमज़ोर चल रही थी। इस दौर में शनि ने कुंभ राशि में प्रवेश किया (जनवरी 2023) — जो चंद्र से कंटक ढैया का संकेत था।

इन वर्षों में शायद ऐसा रहा हो: कुछ अचानक का अवसर आया हो — पर साथ में एक अस्थिरता भी। निवेश में कोई नई दिशा मिली हो, या कोई पुराना काम समेटा हो। मन थोड़ा उखड़ा-उखड़ा रहा हो।

अप्रैल 2023 – मई 2025 — सूर्य महादशा (प्रारंभिक अंतर्दशाएँ)

अप्रैल 2023 से सूर्य महादशा आरंभ हुई — सूर्य लग्नेश हैं, ग्यारहवें भाव में, वेशी योग में। यह एक सकारात्मक बदलाव था। सूर्य-राहु (जून 2024 – मई 2025) में गुरु वृषभ से मिथुन में (लग्न से ग्यारहवें) — यह अवधि आमदनी और अवसर के लिए अनुकूल थी।

इन वर्षों में शायद ऐसा रहा हो: 2023-24 में एक नई शुरुआत — नौकरी, व्यवसाय या निवेश में कोई सकारात्मक क़दम। 2024-25 में गुरु के ग्यारहवें भाव में आने से लाभ के द्वार खुले हों। यह आपके जीवन का एक बेहतर दौर रहा होगा।

मई 2025 – फ़रवरी 2026 — सूर्य-गुरु

गुरु पंचम और अष्टम के स्वामी हैं, लग्न में युवा अवस्था में बैठे — बली। सूर्य-गुरु की अंतर्दशा और साथ में गोचर-गुरु कर्क में (लग्न से बारहवें) — मिला-जुला समय। विवेक का दौर था, पर कुछ खर्च या व्यय भी बढ़े हों।

इन महीनों में शायद ऐसा रहा हो: बड़े फ़ैसलों पर सोचने का समय। निवेश में कोई समीक्षा, या किसी काम में थोड़ा ठहराव। अंदर से स्पष्टता बढ़ रही थी।

मुख्य बातें

- 2019-2022 — शुक्र-बुध: दोनों दशा-स्वामी कमज़ोर — धन और कैरियर में अटकन स्वाभाविक थी
- 2022-2023 — शुक्र-केतु: अप्रत्याशित मोड़, अस्थिरता और नई दिशा की तलाश
- 2023-2025 — सूर्य महादशा की शुरुआत: बेहतर दौर, नई ऊर्जा, अवसर खुले
- 2025-2026 — सूर्य-गुरु: विचार और समीक्षा का समय, मिला-जुला
- अभी सूर्य-शनि चल रही है — अगले अध्याय में इसका पूरा विश्लेषण



अभी का समय और अगले 10 वर्ष — अंतर्दशा व साल-दर-साल गोचर

अध्याय 6

अभय शर्मा जी, आप अभी 34 वर्ष की उम्र में सूर्य महादशा के भीतर सूर्य-शनि अंतर्दशा में हैं — यह अंतर्दशा फ़रवरी 2027 तक चलेगी। सूर्य आपके लग्नेश हैं और भाव 11 (लाभ) में बैठे हैं, इसलिए महादशा का आधार मज़बूत है; पर शनि भाव 6 के स्वामी भी हैं और 7 के भी — इस अंतर्दशा में मेहनत अधिक, फल धीरे आएगा।

अभी का समय — अक्टूबर 2026

आज की दशा-रेखा: सूर्य > शनि > प्रत्यंतर मंगल (10-30 अक्टूबर)। मंगल आपके भाव 4 व 9 के स्वामी हैं और जन्म-कुंडली में भाव 9 में स्वराशि में बैठे हैं — यह बल देता है। लेकिन गोचर में मंगल अभी कर्क राशि (भाव 12) में हैं, जो आपके लग्न से व्यय-स्थान है। **इस महीने बड़ा निवेश या नया दाँव लगाने से बचें** — मंगल का 12वें भाव में गोचर और शनि-अंतर्दशा दोनों मिलकर "सँभलकर चलने का इशारा" दे रहे हैं।

गोचर-दृष्टि का एक महत्वपूर्ण संकेत: जन्म-लग्न सिंह पर राहु की 7वीं दृष्टि पड़ रही है — यह भ्रम और जल्दबाजी बढ़ाता है। बाज़ार में जो "बड़ा मौका" दिखे, उसे एक हफ़्ते रुककर परखें।

30 अक्टूबर से राहु प्रत्यंतर आगा (30 अक्टूबर–21 दिसम्बर) — यह और भी सतर्कता का समय है, क्योंकि "6-8-12 के स्वामी की दशा में सट्टा" चेतावनी के अनुसार षष्ठेश/सप्तमेश शनि की दशा में सट्टे से दूर रहना उचित है।

सूर्य-बुध अंतर्दशा (फ़रवरी 2027 – दिसम्बर 2027)

यह अंतर्दशा उस समय आएगी जब आप 35 वर्ष के होंगे। बुध आपके धनेश (भाव 2) और लाभेश (भाव 11) — दोनों के स्वामी हैं। यह एक बड़ी बात है। हालाँकि बुध जन्म-कुंडली में भाव 12 में शत्रु राशि में हैं और अवस्था कुमार है — इसलिए फल पूरा नहीं, आधा। **फिर भी यह अवधि आपके लिए धन-निर्माण की दिशा में सबसे सक्रिय रहेगी** — दीर्घकालिक शेयर और संपत्ति में किए गए सुनियोजित क़दम यहाँ रंग दिखाने लगेंगे। फ़रवरी-जून 2027 के बीच गुरु सिंह राशि (भाव 1) में होंगे — यह आपके लग्न में गुरु का गोचर है, जो आत्मविश्वास और निर्णय-शक्ति बढ़ाता है। **यह खिड़की अनुकूल है।**

सूर्य-केतु और सूर्य-शुक्र (दिसम्बर 2027 – अप्रैल 2029)

सूर्य-केतु (दिसम्बर 2027-अप्रैल 2028): केतु आपके भाव 11 में हैं — उपचय में, इसलिए लाभ का संकेत है, पर केतु की प्रकृति अचानक और अनिश्चित होती है। यह चार महीने सामान्य रखें — न बड़ा जोखिम, न बड़ा पीछे हटना।

सूर्य-शुक्र (अप्रैल 2028-अप्रैल 2029): शुक्र भाव 12 में अस्त हैं — इनकी दशा में "ठहराव और धैर्य" वाला नियम लागू होता है। **अप्रैल 2028 से अप्रैल 2029 के बीच बड़े वित्तीय निर्णय सोच-समझकर लें।** साथ ही यह महादशा-संधि का समय भी है (अप्रैल 2029) — संधि के तीन महीने पहले से कोई नया बड़ा दाँव नहीं।

चंद्र महादशा (अप्रैल 2029 – अप्रैल 2039) — आप तब 37 से 47 वर्ष के होंगे

चंद्र आपके भाव 12 के स्वामी हैं और जन्म में नीच अवस्था में भाव 4 में हैं — यह महादशा "भावना में बहकर निर्णय" का सबसे बड़ा जोखिम लाती है। **बाज़ार में मन की भूख पर नहीं, नियम पर चलें — यह दस साल का सबसे ज़रूरी सबक होगा।**

- **चंद्र-मंगल (फ़रवरी-सितम्बर 2030):** मंगल आपके भाव 9 में स्वराशि में हैं — यह भाग्य का बलवान ग्रह है। यह अवधि अनुकूल है, संपत्ति या दीर्घकालिक निवेश के लिए अच्छी खिड़की।
- **चंद्र-राहु (सितम्बर 2030 – मार्च 2032):** राहु भाव 5 में हैं — सट्टे का भाव। यह अवधि लालच बढ़ाएगी। **F&O और क्रिप्टो से सख्ती से दूरी — यह डेढ़ साल सँभलने का है।**
- **चंद्र-गुरु (मार्च 2032 – जुलाई 2033):** गुरु आपके पंचमेश और अष्टमेश दोनों हैं — भाव 1 में मित्र राशि में, युवा अवस्था में। यह आपकी कुंडली की सबसे शुभ अंतर्दशाओं में से एक है। **यहाँ दीर्घकालिक शेयर और संपत्ति में बड़ा क़दम उठाया जा सकता है।**
- **चंद्र-शनि (जुलाई 2033 – फ़रवरी 2035):** "6-8-12 के स्वामी की दशा में सट्टा" चेतावनी के अनुसार — इस दौर में सट्टा न्यूनतम

रखें। यह भी अष्टम ढैया (शनि मिथुन, चंद्र से 8वाँ, मई 2032 से) के साथ आएगा — दोहरी सावधानी।

साल-दर-साल एक नज़र

- **2026-27:** शनि मीन (भाव 8, वक्री) — सँभलकर चलें; गुरु अक्टूबर 2026 में सिंह (भाव 1) आएँगे — आत्मविश्वास बढ़ेगा।
- **2027:** गुरु सिंह (भाव 1) — शुभ; शनि जून 2027 में मेष (भाव 9) आएँगे — भाग्य-भाव में शनि, धीमा पर ठोस।
- **2028-29:** गुरु कन्या (भाव 2) — धन-भाव में गुरु, संचय का संकेत; शनि मेष।
- **2030:** गुरु वृश्चिक (भाव 4) — जमीन-संपत्ति के निर्णय के लिए अच्छा वर्ष।
- **2032:** शनि मिथुन (भाव 11) — लाभ-भाव में शनि आएँगे, धीमे पर टिकाऊ लाभ।
- **2033:** गुरु मकर (भाव 6, चंद्र से 3) — मिश्रित।
- **2035-36:** गुरु वृषभ (भाव 10, लग्न से) — यश और आय दोनों।

अनुकूल खिड़कियाँ: फ़रवरी-जून 2027 · मार्च 2032-जुलाई 2033 · अगस्त 2029-सितम्बर 2030 · 2035-36।

सँभलने की खिड़कियाँ: अभी-फ़रवरी 2027 (शनि अंतर्दशा) · अप्रैल 2028-अप्रैल 2029 (शुक्र अंतर्दशा) · सितम्बर 2030-मार्च 2032 (राहु अंतर्दशा) · जुलाई 2033-फ़रवरी 2035 (शनि अंतर्दशा + अष्टम ढैया)।

मुख्य बातें

- अभी शनि-अंतर्दशा में मेहनत करें, बड़ा जोखिम नहीं — फ़रवरी 2027 से असली खिड़की खुलेगी।
- चंद्र-गुरु (2032-33) और सूर्य-बुध (2027) दो सबसे अनुकूल धन-निर्माण की अवधियाँ हैं।
- चंद्र महादशा में भावना को नियम से काबू में रखना ही सबसे बड़ा उपाय होगा।
- हर महादशा-संधि (अप्रैल 2029) के तीन महीने पहले से बड़ा नया दाँव नहीं।



हर महीने और हर दिन के नियम

अ ध्या य 7

अभय शर्मा जी, ज्योतिष की असली ताक़त तब सामने आती है जब उसे रोज़ की आदतों में उतारा जाए।

चंद्राष्टम — महीने का सबसे सतर्क समय

आपकी जन्म-राशि वृश्चिक है। जब भी गोचर-चंद्र मिथुन राशि में आए — वह आपके लिए चंद्राष्टम का समय है (जन्म-राशि से 8वाँ)। **इन दो-तीन दिनों में कोई नया निवेश, बड़ा ऑर्डर या जोखिम भरा फैसला न लें।** मन ऊपर-नीचे रहेगा, इसलिए पहले से तय नियम पर चलें, मन की बात पर नहीं।

इसी तरह अमावस्या और ग्रहण के दिन बाज़ार में नया प्रवेश न करें — इन दिनों मन की स्थिरता कम रहती है।

अनुकूल वार — कब काम करें

आपके धनेश और लाभेश दोनों बुध हैं — इसलिए **बुध का दिन (बुधवार)** आपके वित्तीय निर्णयों के लिए सबसे अनुकूल है। बड़ा SIP शुरू करना हो, संपत्ति का सौदा तय करना हो, या पोर्टफोलियो की समीक्षा — बुधवार को करें।

भाग्येश मंगल के कारण **मंगलवार** भी अनुकूल है — विशेषकर संपत्ति से जुड़े निर्णयों के लिए। लग्नेश सूर्य के कारण **रविवार** आत्मचिंतन और योजना बनाने के लिए अच्छा है।

शनिवार को बड़ा नया दाँव न लगाएँ — शनि आपके 6 व 7 के स्वामी हैं, और अभी उनकी अंतर्दशा भी चल रही है।

राहु काल — रोज़ का एक नियम

हर दिन के राहु काल में — जो लगभग डेढ़ घंटे का होता है — कोई नया ट्रेड शुरू न करें, कोई बड़ा ऑर्डर न दें। यह छोटा-सा नियम बहुत से "भावना में लिए गए ग़लत फ़ैसलों" से बचाता है।

ग्रह-अनुसार क्षेत्र-मेल

- **बुध** (धनेश-लाभेश): संचार, तकनीक, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ — आपकी कुंडली में बुध कुमार अवस्था में हैं, धीमे पर बनते हुए।
- **मंगल** (भाग्येश, स्वराशि बलवान): भूमि, निर्माण, धातु — संपत्ति में आपका योग सबसे पक्का इसीलिए है।
- **गुरु** (पंचमेश, युवा अवस्था में): शिक्षा, वित्तीय संस्थाएँ — दीर्घकालिक शेयर में गुरु का बल काम करता है।
- **सूर्य** (लग्नेश, भाव 11 में): सरकारी उपक्रम, ऊर्जा, सोना — सोने में 4 तारे इसीलिए मिले।

यह क्षेत्र-मेल परंपरागत ज्योतिषीय संकेत है — किसी कंपनी की सिफ़ारिश नहीं।

मुख्य बातें

- चंद्राष्टम (मिथुन में चंद्र) और अमावस्या — नया निवेश नहीं।
- बुधवार और मंगलवार — वित्तीय निर्णयों के लिए अनुकूल।
- राहु काल में नया ट्रेड नहीं — यह रोज़ का सबसे सरल नियम है।
- क्षेत्र का चुनाव ग्रह-बल से करें, अफ़वाह से नहीं।



उपाय — धन-रेखा को सहारा

अ ध्या य 8

अभय शर्मा जी, उपाय का असली काम यह है कि जिस ग्रह की कमजोरी आपको रोक रही है, उसे थोड़ा सहारा मिले — और जो बलवान है, वह और स्थिर हो।

पहला काम — बुध के साथ चलना

आपके धनेश और लाभेश दोनों बुध हैं और वे भाव 12 में कुमार अवस्था में हैं — यानी आपकी कमाई और संचय की रेखा बनती तो है, पर अभी पूरी ताकत से नहीं। **बुध को सबसे पहले दिनचर्या में उतारें:**

- रोज कुछ लिखें — सौदे की डायरी, खर्च का हिसाब, या बस दिन की एक योजना। लिखना बुध का सबसे सीधा उपाय है।
- हर निवेश से पहले एक कागज पर लिखें: क्यों खरीद रहे हैं, कितने पर बेचेंगे, और अधिकतम कितना घाटा सहेंगे। यह नियम बुध को बल देता है और भावना को काबू में रखता है।
- बुधवार को गणेश उपासना या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें — श्रद्धा से करने पर मन को बल और स्थिरता मिलती है।

दूसरा काम — शनि को मनाना नहीं, समझना

अभी शनि की अंतर्दशा चल रही है। शनि आपके भाव 6 में स्वराशि में वक्री हैं — बलवान हैं, पर देर से फल देते हैं। **शनि का उपाय पूजा नहीं, अनुशासन है:**

- हर दिन निवेश का एक नियम लिखें और उसे तोड़ें नहीं — चाहे बाज़ार कुछ भी करे।
- शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें और किसी जरूरतमंद को — या कौवे को — कुछ खिलाएँ। यह सेवा-भाव शनि को शांत करता है।
- शनि मंत्र का जाप — "ॐ शं शनैश्चराय नमः" — शनिवार को 108 बार करें।

तीसरा काम — माणिक और मन की स्थिरता

आपकी जीवन-रत्न सूची में माणिक है और अभी की अनुकूल रत्न-सूची में भी माणिक ही सबसे ऊपर है — सूर्य महादशा चल रही है और सूर्य भाव 11 में अच्छी स्थिति में है। **माणिक धारण करना इस समय उपयुक्त है।**

सूर्य का रत्न सूर्योदय के बाद रविवार को सोने की अँगूठी में — आँगुली और विधि कौस्तुभ जेम्स के रत्न-पत्रे पर दी हुई है। चाहें तो koustubhgems.com से प्रमाणित माणिक ले सकते हैं — वहाँ हर पत्थर प्रयोगशाला-प्रमाणित और सील-बंद आता है।

रोज़ सूर्योदय के समय 10-15 मिनट धूप में बैठें — यह सूर्य का सबसे सरल, सबसे टिकाऊ उपाय है। सूर्य को अर्घ्य दें या आदित्य हृदय

स्तोत्र का पाठ करें।

मुख्य बातें

- सौदे की डायरी रोज़ — यह बुध का उपाय भी है और अनुशासन भी।
- शनि का उपाय पूजा नहीं, समय की पाबंदी और सेवा है।
- माणिक इस समय के लिए उपयुक्त — सूर्य महादशा और भाव 11 की स्थिति दोनों साथ हैं।
- नीलम, मोती और पन्ना इस कुंडली के लिए मना हैं — किसी के कहने पर भी न पहनें।

॥ शास्त्र-प्रमाण ॥

यस्य यश्च यदा दुःस्थः स तं यत्नेन पूजयेत् ।
एषां धात्रा वरो दत्तः पूजिताः पूजयिष्यथ ॥

जिसका जो ग्रह पीड़ित हो, वह यत्नपूर्वक उसकी उपासना करे। ब्रह्मा ने ग्रहों को वर दिया है — "पूजित होकर तुम भी पूजक का मान रखोगे।"

— बृहत् पाराशर होरा शास्त्र, अध्याय ८४



ज़रूरी जानकारी — जोखिम, कर और नियम

अ ध्या य 9

ज़रूरी जानकारी — जोखिम, कर और नियम

अभय शर्मा जी, यह पन्ना डराने के लिए नहीं है — इसलिए है कि जो रास्ता आपकी कुंडली ने दिखाया है, उस पर आप आँखें खुली रखकर चले।

बाज़ार का जोखिम — आँकड़ा जो हर निवेशक को पता होना चाहिए

SEBI के अध्ययन (जुलाई 2025) के अनुसार वित्त-वर्ष 2024-25 में **91% से अधिक व्यक्तिगत F&O ट्रेडरों को घाटा हुआ** — यह अनुमान नहीं, गिनी हुई संख्या है। इसीलिए इस रिपोर्ट में F&O और क्रिप्टो के तारे सबसे कड़ी कसौटी पर दिए जाते हैं।

क्रिप्टो — कर और घाटे का सच

क्रिप्टो (आभासी डिजिटल संपत्ति) के लाभ पर **30% कर और 1% TDS** लगता है, और **घाटे की भरपाई दूसरी किसी आय से नहीं होती** — शेयर में फ़ायदा और क्रिप्टो में घाटा अलग-अलग गिने जाते हैं।

नियम — जो क़ानून कहता है

SEBI-पंजीकृत सलाहकार ही निवेश-सलाह दे सकता है। बिना पंजीकरण "टिप" देने वालों से — चाहे वे कितने भी आत्मविश्वास से बोलें — पूरी दूरी रखें।

यह रिपोर्ट क्या है, क्या नहीं

यह रिपोर्ट **ज्योतिषीय मार्गदर्शन** है — किसी शेयर, फ़ंड या सिक्के की ख़रीद-बिक्री की सलाह नहीं। बाज़ार का जोखिम सदैव आपका अपना है। ज्योतिष समय और स्वभाव दिखाता है; निर्णय अपने विवेक और अपने वित्तीय सलाहकार के साथ मिलकर लें।

मुख्य बातें

- 91% से अधिक व्यक्तिगत F&O ट्रेडर घाटे में — SEBI का आधिकारिक आँकड़ा, अनुमान नहीं
- क्रिप्टो पर 30% कर और 1% TDS; घाटे की भरपाई किसी और आय से नहीं
- बिना SEBI पंजीकरण "टिप" देने वालों से पूरी दूरी
- यह रिपोर्ट दिशा दिखाती है — अंतिम निर्णय सदा आपका अपना

△ यह रिपोर्ट वैदिक ज्योतिष पर आधारित मार्गदर्शन है — निवेश-सलाह नहीं। किसी शेयर, क्रिप्टो या फ़ंड की ख़रीद-बिक्री की सलाह नहीं दी गई है। बाज़ार में जोखिम है; निवेश के निर्णय SEBI-पंजीकृत सलाहकार से परामर्श कर लें।

॥ ॐ शुभम् ॥

❖ ParasVani · पारस वाणी ❖ निवेश व ट्रेडिंग योग रिपोर्ट ❖ अभय शर्मा (काल्पनिक) ❖

यह AI-सहायित वैदिक विश्लेषण मार्गदर्शन हेतु है — निर्णय अपने विवेक से लें।